इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएं	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

किसने बोला म्याऊँ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- इस कहानी में बार-बार आए वाक्य व वाक्यांश के संदर्भ में पढ़ने के अभ्यास करना। जैसे *" क्या तुमने बोला म्याऊँ "।*
- कहानी पहले हाव भाव के साथ बोलकर सुनाना, फिर पढ़कर। जहाँ अगला पात्र आए, रुक जाना और बच्चों से बोलने को बोलना जैसे पिल्ले ने चूहे से पूछा..... क्या पूछा, बच्चे बोलेंगे *क्या तुमने बोला म्याऊँ ?* चूहा बोला..... क्या बोला? बच्चे बोलें....
- कहानी पढ़ते समय बच्चों से चित्र पहचनवाना जैसे एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था।..... पानी में एक मछली तैर रही थी.....आदि।
- बिल्ली, मुर्गे, चूहे, मधुमक्खी, मेंढक के पात्र बनकर कहानी का अभिनय करना उनकी बोली बोलना, नए पात्र बदलकर जोड़कर भी कहानी कहना, अभिनय करना।

किसने बोला 'म्याऊँ'?

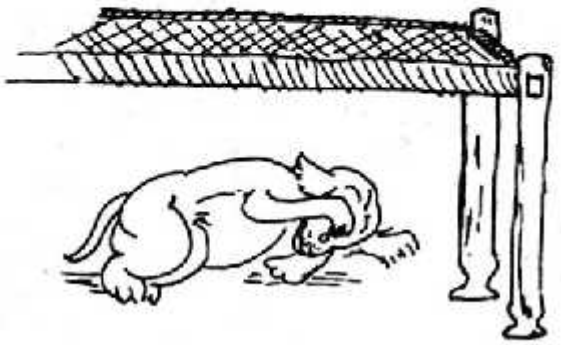

एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था। तभी उसे एक आवाज़ आई - 'म्याऊँ'।

पिल्ला झट उठ बैठा। इधर - उधर देखा। सब जगह ढूंढा कि आवाज़ कहाँ से आई -

पेटी के ऊपर,
चादर के नीचे,
मटके के पीछे।
पर कहीं कोई न था।

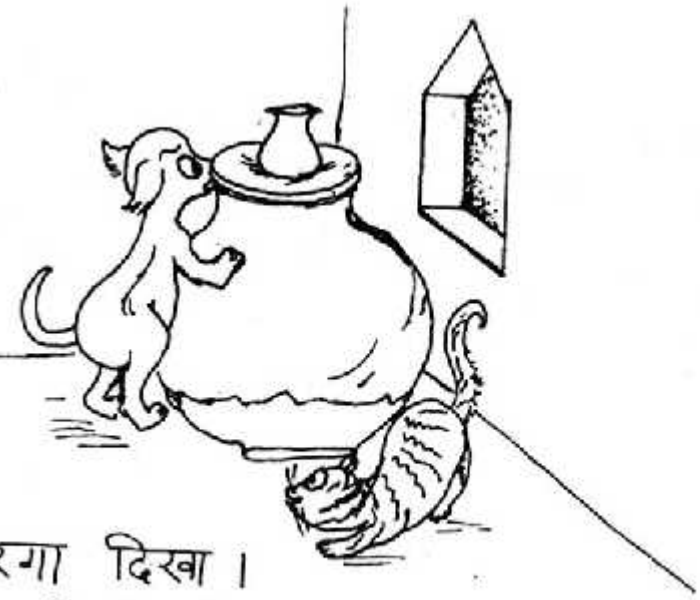

घर से बाहर आया
तो पिल्ले को एक मुरगा दिखा।

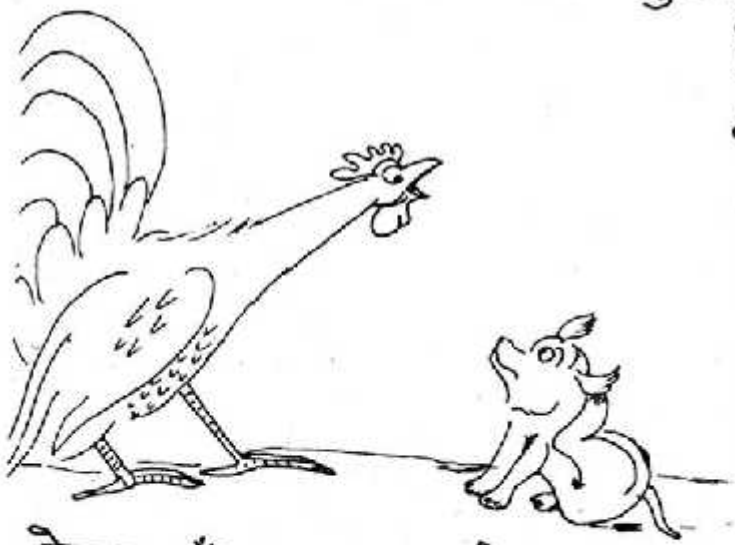

पिल्ले ने मुरगे से पूछा-
क्या तुमने बोला 'म्याऊँ'?
नहीं, मैं तो 'कुक्कड़ू कूं' बोलता हूँ। मुरगा बोला।
कुछ और नहीं बोल सकते? - पिल्ले ने पूछा।
नहीं, मैं तो कुक्कड़ू कूं बोलता हूँ - मुरगा बोला।

पिल्ला सिर खुजाता हुआ आगे चला।

तभी फिर किसी ने कहा - 'म्याऊँ'।
पिल्ला नींबू के झाड़ के नीचे खोदने लगा। एक चूहा फुदककर बाहर निकला।
पिल्ले ने चूहे से पूछा - **क्या तुमने बोला 'म्याऊँ' ?**
नहीं मैं तो 'चीं-चीं-चीं' बोलता हूँ - चूहा बोला। और डर कर भाग गया।

पिल्ला गेंदे के फूल के पास पहुँचा। फिर आवाज़ आई - 'म्याऊँ'। फूल पर एक मधु-मक्खी बैठी थी। पिल्ले ने मक्खी से पूछा - **क्या तुमने बोला 'म्याऊँ' ?**
नहीं, मैं तो भिन्न-भिन्न-भिन्न बोलती हूँ।
मधु-मक्खी पिल्ले की नाक पर डंक मार कर उड़ गई।

पिल्ला आऊं-आऊं करता हुआ तालाब में कूद गया। वहाँ उसे फिर सुनाई दिया - 'म्याऊँ'। पानी में एक मछली तैर रही थी। पिल्ले ने मछली से पूछा - **क्या तुमने बोला म्याऊँ ?**
मछली कुछ बोली नहीं। अपनी पूंछ हिला कर आगे निकल गई।

- कहानी का अंत कैसे हुआ होगा चित्र बनाना।
- अर्धाक्षर पर ध्यान म्य, क्य, क्ख, न्न, क्क, ल्ल आदि।
- पृष्ठ 49, 50 के अन्य अभ्यास ।

नोट :- *पढ़ना सीखने में रोचक कहानियां जिन में कुछ शब्द या वाक्य बार-बार आएं, बहुत मदद्गार होते हैं। धीरे-धीरे बच्चे शब्द व वाक्य पहचान कर पढ़ने लेंगे।*

- *पढ़ने के साथ-साथ उपयुक्त चित्र पर ध्यान, समझने में सहायता भी देता है और समझ के मूल्यांकन में भी मदद्गार है।*

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ़ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

जोड़ो - घटाओं

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा करना क्या हो रहा है कितने लोग टोकरियाँ है आदि।
- सवालों को पढ़ने की कोशिश करना।
- सवाल समझकर मौखिक हल करना। फिर पट्टी, बच्चों के श्यामपट पर लिखकर हल करना। बाद में पुस्तक में दी खाली जगह पर सवाल हल करना।
- सवालों पर चर्चा करना - कैसे यदि जितने घटें उतने वापस जोड़ दें तो शुरु की संख्या प्राप्त हो जाती है।
- सवालों के संदर्भ के बारे में बात करें। परिवार में कौन-कौन हैं कौन ज्यादा बाहर जाते हैं कौन घर पर रहते हैं टोकरियों में क्या-क्या बिकता है जीप से सवारी तुम्हारे आसपास कहां कहा जाती है क्या तुम भी कभी जीप से जाते हो कितनी सवारी बैठ सकती है .....आदि।
- इन संदर्भों के और सवाल और नए संदर्भों के भी ऐसे जोड़ घटा के और सवाल बनाना हर करना। ऐसे भी सवाल बनाना एक परिवार में 5 लोग थे। 3 बाहर गए। थोड़ी देर बाद 2वापस आ गए। अब परिवार पूरा होने के लिए कितने और लोगों को वापस आना है आदि

नोट :- इस तरह के सवालों से बच्चों में जोड़ घटा के विपरीत संबंधों का अहसास बनता है जो कि गणित का एक महत्वपूर्ण अवधारणा है।

- जोड़ घटा के सवालों के साथ-साथ मौखिक भाषा एवं लिखित भाषा व चित्रों का उपयोग समझ बनाने के लिए जरुरी है। कई बार बच्चे भाषा नहीं समझ पाते, इसलिए सवाल गलत करते हैं। सवारी, टोकरी (डलिया) गुल्ली आदि न समझने से सवाल में कठिनाई हो सकती है। शिक्षक इन कठिनाइयों का ध्यान रखें तो सुविधा होगी।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

पास ही एक पत्ते पर एक मेंढक बैठा था। पिल्ले ने मेंढक से पूछा, **क्या तुमने बोला 'म्याऊँ'?**
मेंढक बोला - मैं तो टर्र-टर्र-टर्र बोलता हूँ।
और वह पानी में कूद कर गायब हो गया।

किसने बोला **म्याऊँ**? पिल्ला सोचता - सोचता वापस घर पहुँचा। वह अपनी खाट के नीचे घुस रहा था कि फिर से आवाज़ आई - 'म्याऊँ'। पिल्ला चौंका।
अब तुम ही उसे बताओ कि किसने बोला म्याऊँ।
और वह कहाँ छुपी होगी कि पिल्ला उसे ढूढ नहीं पाया?

जोड़ो घटाओ

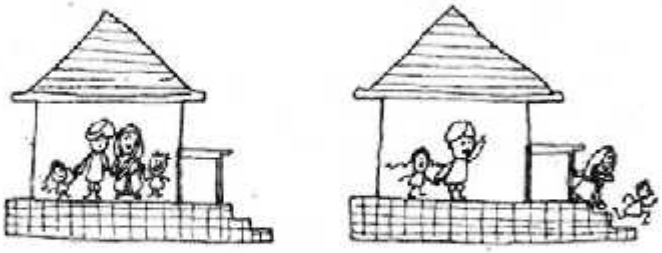

एक घर में 4 लोग थे। थोड़ी देर बाद 2 लोग बाहर चले गए। कितने बचे?

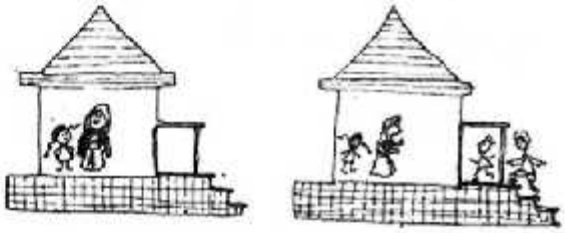

एक घर में 2 लोग थे। कुछ देर बाद 2 लोग बाहर से आ गए। कितने लोग हो गए?

ललिता के पास 6 टोकरी गुल्ली थी। एक आदमी ने दो टोकरी ले ली। कितनी टोकरी बची

ललिता बाई के पास 4 टोकरी गुल्ली थी। लछमी ने 2 टोकरी और दे दी। ललिता बाई के पास कितने टोकरी गुल्ली हो गई?

शाहपुर से एक जीप में 8 लोग बैठे। तीन सवारी बरेठा उतर गई। कितनी सवारी बचीं? पाढर पर तीन सवारी और चढ़ीं। अब जीप में कितने लोग हो गए?

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?